

के कारण छूटा या भूला हुआ 4. लुप्त, वंचित, रहित।

व्यपगति स्त्री. (तत्.) 1. लोप 2. असावधानी के कारण घटित कोई सामान्य भूल 3. समय बीत जाना, कालातीत हुआ 4. सरकारी तंत्र में किसी अधिकार सुविधा, अनुदान आदि का निर्धारित अवधि के भीतर उपयोग न होने के कारण उसका निरस्त हो जाना।

व्यपदेश पुं. (तत्.) 1. आदेश, निर्देश 2. सूचना, वंचना 3. छल 4. बहाना।

व्यभिचार पुं. (तत्.) 1. दुराचार, अनैतिक आचरण, दुराचरण 2. किसी स्त्री पुरुष का अनुचित यौन संबंध 3. न्याय. किसी नियम का अपवाद 4. एक तर्क को छोड़कर दूसरे तर्क का सहारा लेना 5. तर्कशास्त्र में वह स्थिति जिसमें हेतु तो हो पर उसका साध्य न हो।

व्यभिचारिणी वि. (तत्.) व्यभिचार करने वाली स्त्री, दुश्चरित्रा, दुराचारिणी 2. स्थिर न रहने वाली बुद्धि।

व्यभिचारी वि. (तत्.) 1. व्यभिचार करने वाला व्यक्ति, दुश्चरित्र 2. अस्थिर, चंचल।

व्यभ्र वि. (तत्.) मेघ रहित, निरभ्र, स्वच्छ आकाश।

व्यय वि. (तत्.) 1. खर्च, धन खर्च करना, अनेक क्रिया-कलापों में खर्च होने वाला धन 2. क्षय, नाश, हास ज्यो. जन्म कुंडली में लग्न से बारहवाँ स्थान व्यय भाव कहा जाता है।

व्ययक वि. (तत्.) व्यय कर्ता, खर्च करने वाला।

व्ययन पुं. (तत्.) खर्च करना, नष्ट करना, न्यून करना।

व्ययशील पुं. (तत्.) खर्चीला, व्यर्थ खर्च करने वाला, अधिक खर्च करने वाला, अपव्ययी।

व्ययिक वि. (तत्.) 1. व्यय से संबंधित जैसे-व्ययिक विवरण 2. व्यय के कारण होने वाला।

व्ययी वि. (तत्.) 1. अधिक खर्च करने वाला, व्ययशील 2. क्षय होने वाला, नष्ट होने वाला।

व्यर्थ वि. (तत्.) 1. अनुपयोगी, जिसका कोई उपयोग न हो 2. अनावश्यक 3. जो लाभप्रद न हो, निरर्थक, बेकार 4. प्रभावहीन, निष्फल 5. अर्थहीन।

व्यलीक वि. (तत्.) 1. असत्य, झूठा 2. अनुचित 3. अप्रिय 4. कष्टदायक 5. अपरिचित 6. अद्भुत, विलक्षण पुं. असत्यता, छल-कपट, अपराध कष्ट, विलक्षणता, विपरीतता।

व्यवकलन वि. (तत्.) 1. अलग होना, पृथकता, विच्छेद 2. घटाव, कमी, घटाना।

व्यवच्छिन्न वि. (तत्.) 1. काटकर अलग किया हुआ, विभक्त, वियोजित 2. निश्चित, निर्धारित 3. बाधित।

व्यवच्छेद पुं. (तत्.) 1. पृथकता, अलगाव 2. खंड, भाग, अंश 2. उच्छेद 4. पुस्तक का अध्याय 5. अस्त्र का चलाना, छोड़ना 6. निवृत्ति, छुटकारा 7. विराम, ठहराव 8. जन्म-मरण परंपरा की समाप्ति।

व्यवच्छेदन वि. (तत्.) पृथक करने की क्रिया या भाव, खंड या हिस्से करना चिकि. मृत प्राणी के अंग-उपांगों को अध्ययनार्थ काट कर अलग करना, अंगच्छेदन, चीरफाड़।

व्यवदात वि. (तत्.) 1. स्वच्छ, साफ, निर्मल 2. प्रकाशमान, चमकीला।

व्यवधान पुं. (तत्.) 1. रुकावट, दृष्टि को बीच में रोकने वाली वस्तु, पर्दा 2. बाधा, रुकावट, अड़चन 3. बीच में पड़ने वाला अवकाश, किसी चलते कार्य का बीच में रुक जाना।

व्यवधायक वि. (तत्.) 1. व्यवधान करने वाला, रुकावट या आड़ करने वाला 2. छिपाने, ओट कराने वाला, अवरोधक।

व्यवसाय पुं. (तत्.) 1. ऐसा कार्य जिससे किसी की जीविका चलती हो, पेशा, जीवन निर्वाह वृत्ति, रोजगार 2. व्यापार, कारोबार 3. उद्योग, काम-धंधा, उद्यय 4. कार्य, क्रिया।

व्यवसायात्मक वि. (तत्.) व्यवसाय, पेशे से संबंधित।